बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-532**
26/11/2022

मुख्यमंत्री ने नशामुक्ति दिवस कार्यक्रम का किया उद्घाटन

पटना, 26 नवम्बर 2022 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्थित ज्ञान भवन में नशामुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्ति दिवस के अवसर पर आप सभी उपस्थित लोगों का मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। 26 नवंबर 2011 से ही हमने मद्य निषेध दिवस मनाना शुरू कर दिया था। उस समय शराबबंदी नहीं लागू थी लेकिन लोगों को मद्य निषेध के प्रति हमलोग प्रेरित कर रहे थे। इसको लेकर प्रचार–प्रसार किया जा रहा था। बिहार में शराब की बिक्री से टैक्स के रूप में 5 हजार करोड़ रुपये की राजस्व की प्राप्ति होती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में पटना के एक कार्यक्रम में जब हम भाषण समाप्त कर बैठे थे तो पीछे बैठी महिलाओं ने शराबबंदी की मांग की। हमने उसी समय कह दिया था कि अगर अगली बार चुनाव में जीत कर आए तो बिहार में शराबबंदी लागू करेंगे। शराबबंदी को लेकर अभियान चलाया गया और 1 अप्रैल 2016 से हमने बिहार में शराबबंदी लागू कर दी। गांव में देशी और विदेशी दोनों शराब को बंद कर दिया लेकिन शहरों में विदेशी शराब की दुकान खोलने की इजाजत दी गयी। शहरों में विदेशी शराब की दुकान खुलने का लोगों ने काफी विरोध किया। इसको देखते हुये हमने 5 अप्रैल 2016 से शहरों में भी विदेशी शराब की दुकान को बंद कर दिया गया और बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू हो गयी। शराबबंदी को लेकर एक–एक चीज पर काम किया गया। शराबबंदी लागू होने के बाद जब हम घूम रहे थे तो उस दौरान एक महिला ने अनुभव साझा करते हुये बताया कि पहले उसके पति शराब पीकर झगड़ा करते थे। घर का बुरा हाल था। बच्चे पढ़ नहीं पाते थे लेकिन अब शराबबंदी के बाद मेरे पति जब शाम में घर आते हैं तो बाजार से सब्जी लेकर आते हैं। अब वे हंसते, मुस्कुराते हैं और घर में भी अच्छा वातावारण है। बच्चों की पढ़ाई ठीक ढंग से हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में 90 प्रतिशत लोग अच्छे होते हैं, 10 प्रतिशत ही गड़बड़ करनेवाले होते हैं। इनलोगों को ठीक करने के लिए सभी को प्रयासरत् रहना है। गड़बड़ करनेवालों पर पुलिस कार्रवाई भी करती है। उन्होंने कहा कि ताड़ के पेड़ से सूर्योदय से पहले नीरा निकलता है और सूर्योदय के बाद ताड़ी। नीरा स्वादिष्ट होता है, स्वास्थ्य के लिये भी यह लाभदायक होता है। नीरा से पेड़ा और गुड़ भी बनाया जाता है। बिहार में इस साल नीरा का काफी उत्पादन हुआ है। वर्ष 2018 में हमने सतत् जीवकोपार्जन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत शराब के धंधे से जुड़े लोगों को दूसरा धंधा शुरू करने के लिये 1 लाख रूपये तक की मदद की जा रही है। जो लोग देशी शराब, ताड़ी के धंधे में लगे थे वे लोग इसको छोड़कर गाय पालन, बकरी पालन, मुर्गीपालन, शहद उत्पादन आदि छोटे व्यवसाय शुरू कर कार्य कर रहे हैं। काफी संख्या में लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 1 लाख 47 हजार परिवारों ने इसका लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि बापू ने कहा था कि शराब बुरी चीज है, शराब पीने वाला इंसान हैवान हो जाता है, शराब मनुष्य की बुद्धि और पैसा हर लेती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2016 में पूरी दुनिया में शराब के दुष्प्रभावों को लेकर सर्वे किया था। जिसकी रिपोर्ट वर्ष 2018 में प्रकाशित हुयी थी। रिपोर्ट के मुताबिक एक साल में शराब पीने के कारण 30 लाख लोगों की मृत्यु होती है। दुनिया

भर में जितनी मृत्यु होती है उसका 5.3 प्रतिशत मृत्यु शराब पीने के कारण होती है। 20 से 39 आयु वर्ग के युवाओं की 13.5 प्रतिशत मृत्यु शराब पीने के कारण होती है। शराब करीब 200 प्रकार की बीमारियों को बढ़ाता है। टी0बी0, एड्स, एच0आई0वी0, डायबिटीज आदि से होने वाली मृत्यु से ज्यादा मृत्यु शराब पीने से होती है। आत्महत्या करने वालों में 18 प्रतिशत आत्महत्या शराब पीने के कारण होती है। 27 प्रतिशत सड़क दुर्घटना दारू पीकर गाड़ी चलाने के कारण होती है। अभी हाल ही में वैशाली में हुयी सड़क दुर्घटना ड्राइवर के द्वारा दारू पीकर गाड़ी चलाने के कारण हुयी है। ड्राइवर तो बच गया लेकिन 8 लोगों की जान चली गयी। शराब हिंसक प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। महिलाओं के प्रति हिंसा में शराब का बड़ा योगदान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग बिहार में शराबबंदी को सख्ती से लागू करा रहे हैं। सभी पुलिसवालों ने शराबबंदी को लेकर शपथ ली है। पुलिस के लोग अलर्ट रहेंगे तो गड़बड़ी नहीं होगी। पूरे तौर पर शराबबंदी का पालन कराना जरूरी है। पटना के डी0एम0 और एस0एस0पी0 से हम यही कहेंगे कि पटना पर विशेष नजर रखें। अगर पटना ठीक हो गया तो बिहार ठीक हो जायेगा। शराबबंदी लागू करने के कारण कुछ लोग मेरे खिलाफ हैं। शराब कितनी बुरी चीज है, इसको सबको समझना होगा। हमने महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा/अतिपिछड़ा, अल्पसंख्यक समेत सभी तबकों के लिये विशेष प्रयास किया जा रहा है। उनके उत्थान के लिए कई कार्य किए गए हैं। वर्ष 2005 से लोगों की भलाई के लिये लगातार काम कर रहे हैं। बहुत लोगों ने शराब पीना छोड़ दिया है। कुछ लोग गड़बड़ करने वाले होते हैं, उन पर कार्रवाई कीजिये। शराब के असली धंधेबाजों को पकड़िये, उन पर कड़ी कार्रवाई कीजिये। महिलाओं से अपील है कि आप ही की मांग पर शराबबंदी लागू की गयी है इसलिये आपलोग इसको लेकर सजग रहें। शराबबंदी के प्रति लोगों को प्रेरित करते रहें। सतत् जीवोकोपार्जन योजना के संबंध में भी लोगों को जानकारी दें। सभी विभाग अपने विभाग के कार्यों के अलावा लोगों को बतायें कि शराब कितनी बुरी चीज है। समाज सुधार अभियान निरंतर जारी रखना है। राज्य भी आगे बढ़ेगा और सबकी तरक्की होगी।

कार्यक्रम की शुरुआत के पूर्व मद्य निषेध के प्रचार–प्रसार अभियान को लेकर राज्य परिवहन की 6 बसों को मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने नशामुक्त बिहार को लेकर आयोजित होनेवाली पटना हाफ मैराथन को लेकर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष शराब के दुष्परिणामों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत उत्पाद आयुक्त श्री बी0 कार्तिकेय धनजी ने हरित गुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंटकर किया।

शराबबंदी के सफल क्रियान्वयन को लेकर किए गए कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में किलकारी के बच्चों द्वारा कव्वाली प्रस्तुत की गई।

मुख्यमंत्री ने सभी पंचायतों को मद्य निषेध को लेकर भेजे गए संदेश का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने मोबाइल पर 'जनता के नाम संदेश' का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने जीविका द्वारा चूड़ी निर्माण केंद्र, सबलपुर, पटना का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में चूड़ी निर्माण केंद्र पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति की गई। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदी श्रीमती नीना देवी और श्रीमती पार्वती देवी को चूड़ी निर्माण केंद्र से निर्मित कांच की चूड़ी भेंट की।

मुख्यमंत्री ने शराबबंदी के सफल क्रियान्वयन को लेकर केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के अध्यक्ष श्री के0एस0 द्विवेद्वी, पुलिस उप महानिरीक्षक रंगरूट प्रशिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राजगीर श्री संजय कुमार, मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी श्री प्रणव कुमार, पटना के जिलाधिकारी डॉ0 चंद्रशेखर सिंह, गया के जिलाधिकारी श्री त्याग राजन एस0एम0, मधुबनी के जिलाधिकारी श्री अरविंद कुमार वर्मा, गोपालगंज के जिलाधिकारी डॉ0 नवल किशोर चौधरी को पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन मंत्री श्री सुनील कुमार, पंचायती राज मंत्री श्री मुरारी प्रसाद गौतम, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक श्री एस0के0 सिंघल, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के0के0 पाठक ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार, भवन निर्माण के सचिव सह पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, उत्पाद आयुक्त श्री बी0 कार्तिकेय धनजी, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री राहुल सिंह, मद्य निषेध के पुलिस महानिरीक्षक श्री अमृत राज सहित अन्य वरीय अधिकारीगण, पुरस्कार पानेवाले अधिकारीगण एवं कर्मीगण, जीविका की दीदियां, वेब कास्टिंग के माध्यम से जुड़े हुए पदाधिकारीगण, कर्मीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पश्चात् मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि शराबबंदी कानून का बेहतर तरीके से अनुपालन कराया जा रहा है। इसमें कोई शक नहीं है कि लोग शराब से मुक्ति पा रहे हैं। समाज में गड़बड़ करने वाले लोग होते हैं, उन पर कार्रवाई की जा रही है। शराबबंदी लोगों के हित में है। बापू की कही बात को लोग नहीं मानेंगे तो इसका क्या मतलब है ? शराबबंदी को लेकर उठाये गये कदमों के बारे में आप लोगों को सभी बातें मालूम है। शराबबंदी को सफल बनाने में आपलोग भी मदद कीजिए। हमलोग सभी लोगों के हित में काम करते हैं, सभी के हित में बोलते हैं। कुछ लोगों को अच्छा काम पसंद नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं ?

कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव में प्रचार करने जाने के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां प्रचार करने जाने का कार्यक्रम आप लोगों के बीच जारी हो गया है।

******